राजस्व प्राप्तियाँ

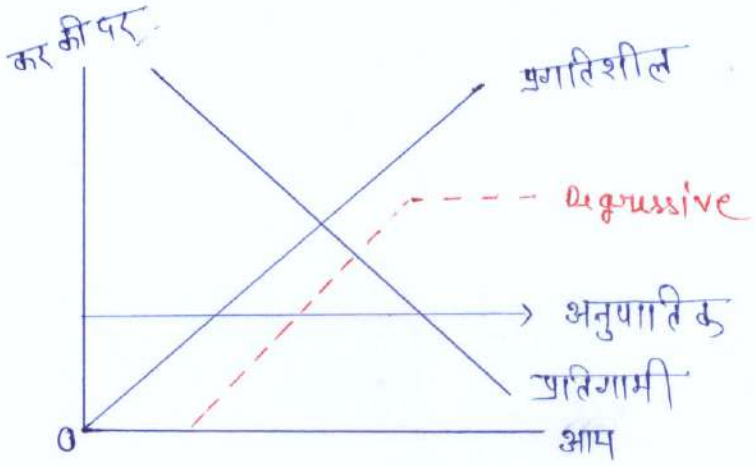

(ii) प्रत्यक्ष कर वस्तुओं सेवाओं की कीमतों पर प्रभाव नहीं डालते हैं जबकि अप्रत्यक्ष कर ऐसा करते हैं। वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में परिवर्तन होने से Public choice and welfare पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

उपर्युक्त के बावजूद, अप्रत्यक्ष करों को पूर्णरूप से खारिज नहीं किया जा सकता है।

अप्रत्यक्ष करों को Sin-goods, Demerit goods and Luxury goods पर लगाया जा सकता है।

इसके अलावा, आयातों से घरेलू उद्योगों का संरक्षण करने के लिए सीमा शुल्क (Customs duty) जैसे करों का प्रयोग भी किया जा सकता है।

- Sin-goods ऐसी वस्तुएँ होती हैं जिनका व्यक्तिगत उपभोग या उत्पादन सामाजिक रूप से अनुचित या अनैतिक माना जाता हैं जैसे कि नशीले पदार्थ आदि।

- Demerit वस्तुएँ ऐसी वस्तुएँ होती हैं जिनका व्यक्तिगत उपभोग या उत्पादन अन्य लोगों के कल्याण पर विपरीत प्रभाव डालता हैं अर्थात ये वस्तुएँ नकारात्मक बाह्यता उत्पन्न करती हैं जैसे कि डीजल पेट्रोल आदि।

प्रत्यक्ष कर लगाते समय इस बात पर ध्यान देना जरूरी होता हैं कि इनकी दर उचित हो।
ध्यान देने योग्य हैं कि कर की दर को बढ़ाने से लगातार राजस्व नहीं बढ़ता हैं इस सन्दर्भ में निम्न चित्र पर विचार किया जा सकता हैं-

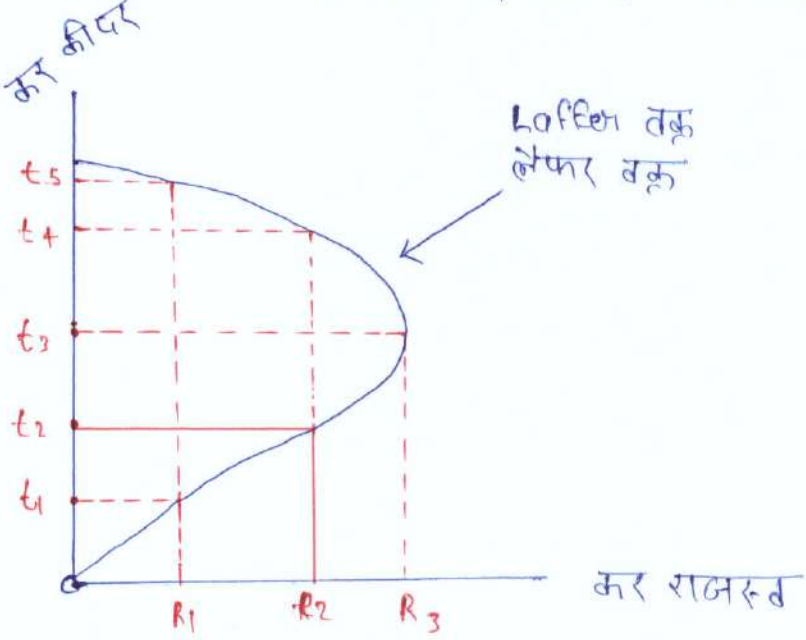

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Your Trusted Learning Platform

उपर्युक्त चित्र को देखने से यह पता लगता है कि जैसे-जैसे शुरूआत मे कर की दर को बढ़ाया जाता है, तो राजस्व की दर भी बढ़ती है लेकिन यह कर की t_3 पर तक होता है। यदि इसके बाद भी कर की दर को बढ़ाया जाता है तो राजस्व कम होने लगता है। इसका एक बड़ा कारण यह होता है कि कर की अत्यधिक ऊँची दरों पर लोग काम (work) के बजाय आराम (Leisure) को अधिक वरीयता देने लगते हैं जिसके कारण उनके आय का स्तर काम हो जाता है जो कर राजस्व को कम कर देता है।

ध्यान देने योग्य है कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों में आराम (Leisure) को goods माना गया है क्योंकि इससे लोगों को उपयोगिता मिलती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

पूंजीगत प्राप्तियाँ :- (Capital Receipts)

सरकार को मिलने वाली ऐसी आय जिसको प्राप्त करने के लिए या तो सार्वजनिक संपत्तियों को कम करना पड़ता हो या सार्वजनिक देयताओं को बढ़ाना पड़ता हो।

इसके मुख्य उदाहरण निम्न प्रकार हैं -

(i) विनिवेश (Disinvestment) :-

सरकारी उपक्रमों की इक्विटी को बेचना। आदि।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(ii) ऋणों की वसूली (Recovery of Loan) :

(iii) बाजार से उधार (Market borrowing)

- घरेलू → RBI
- विदेशी → सीधे सरकार द्वारा

(iv) अन्य देयताये: अल्प बचत योजनाएं :

- भविष्य निधि जमायें
- राष्ट्रीय बचत पत्र
- किसान विकास पत्र
- डाकघर जमाएं
- सुकन्या समृद्धि योजना आदि।